लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक : 1- 15 मई, 2023   www.haryanasamvad.gov.in   अंक - 65

"जो तुम्हारा नहीं है उसे जाने दें, ऐसा करके तुम्हें लंबी खुशी व लाभ ही प्राप्त होगा।"
: महात्मा बुद्ध

लोगों के मन भाई, मनोहर सरकार की साफ़गोई 3

नौकरी देने वालों की पंक्ति में खड़े हो रहे युवा 4

सुशासन की मजबूती के लिए तीन नए पोर्टल 7

करनाल में एनडीआरआई का दीक्षांत समारोह

डेयरी उद्योग में रोज़गार की असीम संभावनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एनडीआरआई के वैज्ञानिकों के प्रयासों को सराहा

विशेष प्रतिनिधि

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल के 19वें दीक्षांत समारोह में 544 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की और गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी अपने जीवन के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं, इसलिए आप सदैव नया सीखने के लिए प्रयत्नशील रहें।

राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे राष्ट्र की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें और डेयरी उद्योग को नई उड़ान दें ताकि इस क्षेत्र में रोज़गार के नए अवसर उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। भारत का विश्व के दूध उत्पादन में लगभग 22 प्रतिशत का योगदान है। डेयरी सेक्टर का देश की जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान है तथा डेयरी उद्योग से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 8 करोड़ परिवारों को आजीविका प्रदान करता है।

महिलाओं की श्रेष्ठ भागीदारी

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि डेयरी उद्योग के प्रबंधन में नारी शक्ति अहम भूमिका निभा रही है। डेयरी सेक्टर में 70 प्रतिशत से अधिक भागीदारी महिलाओं की है। यह प्रसन्नता का विषय है कि डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में एक तिहाई से अधिक लड़कियां रहीं और गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में भी 50 प्रतिशत लड़कियां रहीं। डेयरी सेक्टर महिलाओं को स्वावलंबी बनाने में और उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति में बदलाव लाने में खास भूमिका निभा रहा है।

क्लोन बनाने की तकनीक सराहनीय: उन्होंने कहा कि भारत में गाय और भैंस की अनेक प्रजातियां पाई जाती हैं। कुछ नस्लें दूसरी नस्ल की तुलना में 4 से 5 गुना अधिक दूध देने की क्षमता रखती हैं। एनडीआरआई द्वारा दूध देने वाली गाय और भैंस का क्लोन बनाने की तकनीक विकसित की गई है, यह सराहनीय है। इससे पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जा सकता है जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि दूध उत्पादन और डेयरी सेक्टर को और समृद्ध करना होगा। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सरकार सहित अन्य सभी संस्थाओं को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि एनडीआरआई ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए विभिन्न तकनीकों को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही बायो गैस उत्पादन जैसी क्लीन एनर्जी पर भी बल दे रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि एनडीआरआई देश का महत्वपूर्ण संस्थान है। पशुपालन व डेयरी क्षेत्र में जिस मुकाम पर देश खड़ा है, उससे हम दुनिया के सर्वाधिक दूध उत्पादन वाले देश बने हैं।

दूसरी श्वेत क्रांति के लिए सही समयः राज्यपाल

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भारतीय डेयरी उद्योग में देश के आर्थिक विकास में योगदान देने और लाखों लोगों के जीवन में सुधार करने की अपार क्षमता है। सही नीतियों, निवेश और नवाचार के साथ देश डेयरी उद्योग में एक वैश्विक अग्रदूत बन सकता है, और यह दूसरी श्वेत ' क्रांति के लिए सही समय है।

पशुपालकों को भरपूर मदद : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार की मदद से बेरोजगार युवाओं को डेयरी उद्योग चलाने के लिए बैंकिंग क्षेत्र से लोन दिलाया जाएगा ताकि युवा स्वरोजगार के साथ -साथ हरियाणा द्वारा पूरे देश को दूध आपूर्ति करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। इसके लिए एक सर्वे करवाया गया था, जिसमें 60 प्रतिशत युवाओं ने डेयरी में स्वरोजगार अपनाने की इच्छा जताई थी।

उन्होंने कहा कि आज देश में दूध की उपलब्धता जहां 444 ग्राम प्रति व्यक्ति है वहीं हरियाणा में प्रतिदिन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 1127 ग्राम है। हरियाणा का दुग्ध उत्पादन में देश में आज बेशक तीसरा स्थान है, परंतु उन्हें उम्मीद है कि किसानों के परिश्रम की बदौलत जल्द ही पंजाब व अन्य राज्य से आगे बढ़कर सर्वाधिक दूध उत्पादन वाला प्रदेश बन जाएगा। उन्होंने इस दिशा में सार्थक प्रयास करने के लिए राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान को बधाई दी।

G20 भारत 2023 INDIA

प्रकाश सिंह बादल

सरपंच से सीएम तक का सफर

प्रयाण

शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे अपने जीवन में 11 बार विधायक और 5 बार पंजाब के सीएम रहे। उनका जन्म 8 दिसंबर 1927 को पंजाब मुक्तसर के छोटे से गांव अब्बुल खुराना में हुआ। 1959 में उनकी शादी सुरिंदर कौर से हुई थी। सुरेंद्र कौर का 2011 में निधन हो गया था।

प्रकाश सिंह वैसे तो डाक्टर बनना चाहते थे लेकिन 21 वर्ष की आयु में, वे गांव के सरपंच बन गए। उसके बाद उनके जीवन पर सियासत हावी होती चली गई। 1957 में पहला विधानसभा का चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। 1970 में जब उनकी उम्र 43 वर्ष थी तो पहली बार पंजाब के सीएम बने। 1977 में दूसरी बार, 1997 में तीसरी बार, 2007 में चौथी बार और 2012 में पांचवीं बार सीएम बने।

प्रकाश सिंह बादल राजनीति की महान हस्ती रहेः पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रकाश सिंह बादल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा वे भारत की राजनीति की महान हस्ती एवं स्थापित राजनेता थे। उन्होंने पूरे देश के लिए बहुत योगदान दिया। इतना ही नहीं पंजाब की प्रगति के लिए अथक मेहनत की तथा कठिन समय में राज्य को सौहार्दपूर्ण माहौल दिया।

राजनीति के लिए अपूर्ण क्षतिः मनोहर लाल

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वयोवृद्ध राजनेता एवं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका जाना भारतीय राजनीति के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। देश की राजनीति के इतिहास में उनका नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। वे उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि शोक संतप्त परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

बेहतर भविष्य के लिए जल संरक्षण

निरंतर गिरते भू-जल स्तर को रोकने के लिए जल संरक्षण अति आवश्यक हो गया है। भावी पीढ़ी जल संकट से न जूझे इसके लिए वर्तमान सरकार ने विशेष ध्यान दिया है।

जल संरक्षण के प्रहरी बन चुके मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश में सभी स्त्रोतों से उपलब्ध जल के समुचित उपयोग की तरफ कदम बढ़ा रही है। जल संसाधनों को संरक्षित रखने और जल संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है, जिनके सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं।

उपचारित पानी का पुनः उपयोग

जल का पुनः उपयोग, सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा, फसल विविधीकरण, तालाबों का जीर्णोद्धार कर पानी का सिंचाई व अन्य कार्यों हेतु उपयोग को बढ़ावा आदि जैसी पहलें शुरू की गई हैं।

वर्तमान में सतही जल, भूजल और उपचारित अपशिष्ट जल को मिलाकर हरियाणा की कुल जल उपलब्धता 21 बीसीएम है। जबकि सभी क्षेत्रों को मिलाकर जल की कुल मांग 35 बीसीएम है। इस लिहाज से पानी की उपलब्धता और मांग में 14 बीसीएम का अंतर है। पानी की कमी से निपटने के लिए मुख्यमंत्री ने सभी विभागों और जनता से थ्री-आर सिद्धांत यानी रिड्यूस, रिसाईकल और रियूज को अपनाने का आह्वान किया है, जो न केवल जल संरक्षण व जल संचयन में उपयुक्त सिद्ध होगा, बल्कि प्रदेश के एकीकृत विकास में भी अहम योगदान देगा।

हरियाणा में पानी का स्तर लगातार कम हो रहा है, इस कमी को देखते हुए सरकार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। जनता की पर्याप्त जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण द्वारा पंचकूला में जल संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। भारत की इस पहली जल संगोष्ठी में विभिन्न विभागों द्वारा जल संकट से निपटने और राज्य में जल स्तर को कैसे बढ़ाया जाए, इस बारे मंथन किया जाएगा।

सु-जल पहल योजना

पानी की हर बूंद बचाने तथा उचित प्रबंधन के लिए राज्य सरकार ने एक द्विवार्षिक कार्य योजना तैयार की है, जिसका उद्देश्य उपचारित पानी का पुनः उपयोग सुनिश्चित करना है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने अपनी तरह की अनोखी योजना सु-जल की शुरुआत की। यह पहल जल संरक्षण में कारगर साबित हो रही है। पंचकूला में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई इस योजना के सफल परिणाम आने के बाद पूरे प्रदेश में सु-जल योजना की शुरुआत की जाएगी।

इसके अलावा, अटल भू जल योजना, जल शक्ति अभियान, राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, उपचारित अपशिष्ट जल सिंचाई परियोजना, तालाब जीर्णोद्धार परियोजना, मिकाडा, मेरा पानी-मेरी विरासत, धान की सीधी बुवाई, मुख्यमंत्री प्रगति किसान सम्मान योजना, जलभराव वाले क्षेत्रों का उद्धार, मृदा संरक्षण परियोजनाएं, अमृत मिशन और वर्षा जल छत संचयन इत्यादि शामिल हैं।

संपादकीय

एक क्लिक पर रोज़गार

हरियाणा में सार्थक व रचनात्मक बदलावों की बयार इन दिनों तीव्र गति पकड़ रही है। अब नई प्रक्रिया के तहत मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विजन के अनुरूप सरकारी विभागों, बोर्डों और निगमों में जरूरत के अनुसार तत्काल मैनपावर की आवश्यकता को पूरा करने के लिए हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से अनुबंध आधार पर नियमित अंतराल पर नियुक्तियां दी जा रही हैं। इसी कड़ी में गत दिवस मुख्यमंत्री ने एक क्लिक के माध्यम से विभिन्न विभागों में कार्य पर रखने हेतु लगभग 1087 उम्मीदवारों को जॉब ऑफर भेजे ।

राज्य सरकार द्वारा पारदर्शी तरीके से सरकारी भर्तियां की जा रही हैं। 'एचकेआरएन' के माध्यम से दी जाने वाली नौकरियों में भी पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है, जिससे नागरिक बेहद प्रसन्न हैं। भेजे गए जॉब ऑफर में 382 ड्राइवर, 92 आयुष योग सहायक, 96 डाटा एंट्री ऑपरेटर, 55 फायरमैन/फायर ड्राइवर व 31 जूनियर इंजीनियर शामिल हैं।

राज्य सरकार का ध्येय जरूरतमंद परिवारों अर्थात् अंत्योदय परिवारों के सदस्यों को एचकेआरएन के तहत प्राथमिकता देते हुए उन्हें रोजगार के अवसर मुहैया करवाना है ताकि ऐसे परिवारों का आर्थिक उत्थान हो सके और आगे बढ़ सकें।

गौरतलब है कि सरकार को लगातार आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत सेवा प्रदाताओं द्वारा रखे गए कर्मचारियों के शोषण की शिकायतें प्राप्त होती थी इसलिए वर्तमान सरकार ने कौशल रोजगार निगम का गठन करने का निर्णय लिया था। अब सभी अनुबंध कर्मचारियों की नियुक्तियां इस निगम के माध्यम से हो रही हैं। पहले डीसी रेट पर अस्थाई कर्मचारी रखे जाते थे। विभिन्न जिलों में अलग-अलग डीसी रेट के कारण कुछ परेशानी आती थी। अब एचकेआरएन में मासिक-वेतन को भी नियमित किया गया है। कर्मचारियों को ईपीएफ, ईएसआईसी का भी पूरा लाभ मिल रहा है।

-डा. चंद्र त्रिखा

मन की बात को मिला भरपूर समर्थन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्य म 'मन की बात' के 30 अप्रैल 2023 को 100 एपिसोड पूरे हुए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस कार्य म को लेकर कहा कि यह एक प्रतिष्ठित कार्य म है, जिसके जरिए प्रधानमंत्री सीधे देश के नागरिकों से जुड़ते हैं। नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री के अनूठे और सीधे संवाद का यह कार्य म इतना लोकप्रिय हो चुका है कि गांव, शहर, गली, नुक्कड़, चौक-चौराहे हर जगह इसकी चर्चा होती है।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' का 100वां एपिसोड अविस्मरणीय रहा। इस कार्यक्रम में 'सेल्फी विद डॉटर' के जनक सुनील जागलान को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया। प्रधानमंत्री ने 28 जून 2015 को अपने इसी कार्यक्रम में सेल्फी विद डॉटर का जिक्र किया था। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2015 में इंगलैंड के वेम्बले सिटी में भी सेल्फी विद डॉटर का जिक्र करते हुए लोगों से जुड़ने का आह्वान किया था।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि देश के नागरिकों की ओर से इस कार्य म को भरपूर प्यार और समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्य म के जरिए देश और देशवासियों पर एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ा है। इस कार्य म में उन्होंने समाज से जुड़े हर मुद्दे पर जनता के विचार जाने हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित किया है। निः संदेह यह कार्य म स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण और वोकल फॉर लोकल आदि जैसे सामाजिक परिवर्तनों का संवर्धक रहा है।

संत शिरोमणि श्री धन्ना भगत के नाम बनेगा कैथल मेडिकल कॉलेज

हरियाणा सरकार द्वारा आज संत श्री धन्ना भगत जी की जयंती कैथल में बड़े धूमधाम से मनाई गई। कैथल जिले के गांव धनौरी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने घोषणा करते हुए कहा कि जींद के हैबतपुर में बन रहे मेडिकल कॉलेज का नाम संत शिरोमणि श्री धन्ना भगत के नाम पर रखा जाएगा।

मनोहर लाल ने संत शिरोमणि श्री धन्ना भगत जी की शिक्षाओं और उनके संदेश को अमर करने हेतु पाठ्य पुस्तकों में धन्ना भगत जी का उल्लेख किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने गांव में एक सामुदायिक केंद्र व पुस्तकालय बनाने के साथ गॉव के विकास के लिए 7 करोड़ रुपए देने की भी घोषणा की। उन्होंने धनौरी की गऊशाला के लिए 21 लाख रुपए देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धनौरी गांव में संत शिरोमणि श्री धन्ना भगत जी की प्रतिमा लगवाई जाएगी। इसके अलावा, संत श्री धन्ना भगत जी मंदिर में लंगर हॉल तथा गांव में तालाब का सौंदर्यीकरण किया जायेगा।

मनोहर लाल ने संत शिरोमणि धन्ना जी को नमन करते हुए कहा कि उनका सौभाग्य है कि आज उन्हें धन्ना भगत जी के जयंती समारोह में आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि धन्ना भगत जी उन महान संतों में अग्रणी थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने भक्ति मार्ग को अपनाते हुए मानव मात्र की सेवा के साथ कर्म पर उसी तरह बल दिया, जैसे भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता में कर्म का अमर सन्देश दिया है। वे पूरी मानव जाति के पथ - प्रदर्शक थे। संत श्री धन्ना भगत परम ज्ञानी थे। उन्होंने कहा कि धन्ना भगत जी बचपन से ही दयालु, परोपकारी और साधु - संतों की संगति किया करते थे। उनके जीवन के संबंध में कई चमत्कारिक कथाएं जुड़ी हुई हैं। श्री धन्ना भगत जी ने मानव कल्याण के लिए जो शिक्षाएं दी हैं वे आज भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा कि पंचम पातशाह श्री गुरु अर्जुन देव जी ने भी धन्ना भगत जी के भक्ति भाव के बारे में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में उल्लेख किया है कि वे सिद्ध महापुरुष थे। उनके तीन पदों को श्री गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल भी किया गया है। संत शिरोमणि श्री धन्ना भगत जी के नाम पर देशभर में अनेक संस्थाएं हैं, जो नई पीढ़ियों को उनकी भक्ति व शिक्षाओं को अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। हमें गर्व है कि उनके नाम पर हरियाणा में धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में श्री धन्ना भगत पब्लिक स्कूल स्थापित है। गत 11 अप्रैल को इस स्कूल में श्री धन्ना भगत जी की प्रतिमा का लोकार्पण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

-संवाद ब्यूरो

स्थानीय निकायों के चुनाव की तैयारी

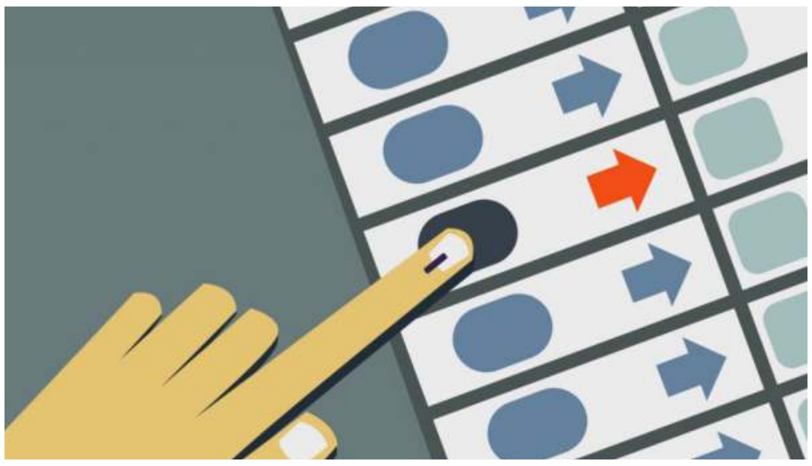

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग ने 4 नगरपरिषदों और 22 नगरपालिकाओं के होने वाले चुनावों के मद्देनजर मतदाता सूची को अंतिम रूप दिया है। जारी मतदाता सूचियों में दावे व आपत्तियों के लिए 21 अप्रैल तक दर्ज करने का समय दिया गया था।

नगर परिषद अम्बाला सदर, सिरसा, थानेसर और नगर पालिका बराड़ा, बवानी खेड़ा, सिवानी, लोहारू, जाखलमण्डी, फर्रुखनगर, नारनौंद, आदमपुर, बेरी, जुलाना, सीवन, पुंडरी, कलायत, नीलोखेड़ी, अटेली मंडी, कनीना, तावडू, हथीन, कलानौर, खरखौदा और रादौर के आम चुनाव तथा नगर परिषद नारनौल के वार्ड 16 के उप-चुनाव व नगरपालिका राजौंद के वार्ड 5 के उप-चुनाव के लिए सम्बन्धित उपायुक्तों द्वारा प्रारूप मतदाता सूचियां प्रकाशित कर दी गई हैं।

मतदाता सूची सम्बन्धित नगर निकायों के कार्यालय, पुनरीक्षण अधिकारी के कार्यालय, नगर निकाय के क्षेत्र में स्थापित किये जाने वाले मतदाता सूचना और संग्रह केंद्र तथा जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

शुद्धि हेतु निर्धारित आवेदन करें

यदि किसी मतदाता का नाम भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की गई विधान सभा की मतदाता सूची जोकि अंतिम रूप से 5 जनवरी, 2023 को प्रकाशित की गई थी, उसमें दर्ज है, परन्तु उसका नाम सम्बन्धित नगर परिषद या नगरपालिका की मतदाता सूची में दर्ज होने से रह गया है, ऐसे मतदाता सम्बन्धित नगरपरिषद, नगरपालिका की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने अथवा नाम कटवाने या नाम में शुद्धि हेतु निर्धारित आवेदन पत्र फार्म-'क' व 'ख' में हरियाणा नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1978 के नियम-4 के अन्तर्गत सम्बन्धित पुनरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष अपने दावे व आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं।

विधानसभा सूची में नाम आवश्यक

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त धनपत सिंह ने बताया है कि हरियाणा नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1978 के नियम-4 के अनुसार केवल उन्हीं व्यक्तियों के नाम सम्बन्धित नगरपरिषद/नगरपालिकाओं की मतदाता सूची में शामिल किये जा सकते हैं, जिनके नाम सम्बन्धित विधान सभा की मतदाता सूची में दर्ज हो। अतः यदि कोई व्यक्ति सम्बन्धित निकायों की मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाना चाहता है तो पहले सम्बन्धित विधानसभा की मतदाता सूची में दर्ज कराए।

सलाहकार संपादक :	डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक :	मनोज प्रभाकर
स्टाफ राइटर :	संगीता शर्मा
संपादन सहायक :	सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन :	गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट :	विकास डांगी

प्रदेश की दोनों बिजली वितरण कंपनियों ने राष्ट्रीय स्तर पर ए+ ग्रेड हासिल किया है। इस उपलब्धि में 'बिजली चोरी पकड़ो अभियान' एवं 'म्हारा गाँव जगमग गाँव' योजना का विशेष योगदान रहा है।

दक्षिणी बिजली वितरण निगम ने अपने मूल्यांकन में 85.71 से 89.30 तक सुधार किया, वहीं यूएचबीवीएन ने अपने मूल्यांकन में 74.70 से 87.60 तक सुधार किया।

लोगों के मन भाई, मनोहर सरकार की साफ़गोई

जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को मिल रही लोगों की राय

विशेष प्रतिनिधि

प्रदेशवासियों की समस्याओं को करीब से जानने और उनके समाधान के लिए 'जन संवाद' कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। मुख्य उद्देश्य यह जानने का भी है कि सरकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर कितना पहुंच रहा है। अभी तक हुए कार्यक्रमों पर नज़र डालें तो लोगों ने राज्य सरकार की योजनाओं व पारदर्शी व्यवस्था का पूरी तरह से समर्थन किया है, सुशासन पर सहमति जताई है। जनमानस ने साफ कहा कि पहले उन्हें नौकरी के पैसे देने पड़ते थे, लेकिन वर्तमान सरकार में ऐसा-वैसा कुछ नहीं होता। काबिलियत के आधार पर नौकरियां दी गई हैं, जो सही रास्ता है। इतना ही नहीं ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी से कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है, इस कार्य के लिए वे पहले 'पर्ची-खर्ची' के जुगाड़ में रहते थे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वे लोगों के जीवन को सहज व सुलभ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लोगों के जीवन को कैसे सुखमय किया जाए, इस दिशा में और आगे बढ़ने की आवश्यकता है। लोग कितने खुश हैं, इसके लिए भी पैरामीटर बनाने होंगे। भूटान देश, जहां हैप्पीनेस इंडेक्स को मापा जाता है, की तर्ज पर यह प्रयोग हरियाणा में भी किया जाएगा।

वैज्ञानिक तरीके से चकबंदी:

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में पारिवारिक जमीनों के बंटवारे के झगड़े के निपटान हेतु एक नया कानून लाया जाएगा, ताकि वर्षों तक अदालतों में ज़मीनों के झगड़े लंबित न रहें। इसके अलावा, राज्य में लगभग 100 गांव ऐसे हैं, जिनकी चकबंदी नहीं हुई है। इसके लिए भी एक वैज्ञानिक तरीके से चकबंदी करवाने की योजना तैयार की जा रही है।

विकसित होता प्रदेश:

मनोहर लाल ने कहा कि गुरुग्राम की तर्ज पर प्रदेश के अन्य जिलों को भी औद्योगिक व आर्थिक रूप से विकसित करने पर बल दिया जा रहा है। गुरुग्राम आज एक ग्लोबल सिटी और आईटी हब बन चुका है। दुनिया की 400 फॉर्च्यून कंपनियों के ऑफिस गुरुग्राम में हैं। इसी प्रकार फरीदाबाद जिला भी आगे बढ़ रहा है। जेवर एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी होने से यहां औद्योगिक गतिविधियों में बढ़ोतरी हो रही है। हिसार में एयरपोर्ट शुरू होने से उस क्षेत्र में और अधिक प्रगति होगी। पंचकूला जिला भी एक सेंट्रल लोकेशन पर है, आने वाले दिनों में वह भी एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव:

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार 5 एस यानी शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वावलंबन और स्वाभिमान के लिए कार्य कर रही है। अब इसमें छठा एस यानी सुशासन भी जोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन किए हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 2025 तक लागू करने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने बताया कि स्कूलों में शिक्षा का स्तर और उत्कृष्ट करने के लिए संस्कृति मॉडल स्कूल खोले गए हैं। सुपर-100 के अब 4 सेंटर संचालित हैं। प्रदेश सरकार ने हर 20 किलोमीटर पर एक कॉलेज स्थापित किया है। अब कई जगहों से कॉलेज खोलने की मांग आ रही है। इसके लिए दोबारा से मैपिंग करवाएंगे, यदि इस पैरामीटर को 20 किलोमीटर से कम भी करना पड़ा तो करेंगे।

विपक्ष का गणित कमजोर:

प्रदेश में बेरोजगारी और सरकार पर कर्ज के आंकड़ों पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष का गणित कमजोर है। बेरोजगारी के लिए वे क्योंकि उनकी मनचाही पत्रिका सीएमआईई को पढ़ते हैं, जिसके आंकड़ें अमूमन सही नहीं होते। आज प्रदेश पर 2 लाख 53 हजार करोड़ का कर्ज है जो तय सीमा के अंदर है।

उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि प्रोपर्टी आईडी से संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। अधिकारी पात्र व्यक्तियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ तत्परता से दें।

जीएसटी कलेक्शन के बारे में हरियाणा की ग्रोथ रेट 16 प्रतिशत से बढ़कर 22 प्रतिशत हुई है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किए गए बदलाव के कारण व्यवस्था मजबूत हुई है।

नौकरी देने वालों की पं

मनोज प्रभाकर

देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों का विकास जरूरी है। आजादी के अमृत महोत्सव श्रंखला के तहत सोनीपत में व्यापार मेले का आयोजन किया गया ताकि उद्योगों को बढ़ावा मिल सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' का नारा दिया है। हरियाणा सरकार भी इसी तर्ज पर 'वन ब्लॉक वन प्रोडक्ट' नीति पर कार्य कर रही है।

व्यापार मेले में पहुंचे सोनीपत के सांसद रमेश कौशिक ने कहा कि केन्द्र सरकार कृषि से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। एक ऐसी तकनीक खोजी गई है जिससे एथनोल ईंधन से वाहनों को चलाया जा सकेगा। इस तकनीक से देश के आम नागरिकों के साथ-साथ किसानों को भी फायदा होगा। यह ईंधन पेट्रोल व डीजल से सस्ता होगा। विधायक निर्मल चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा सरकार छोटे उद्योगों के विकास के लिए अनेक

कार्यक्रम चला रही है।

उपायुक्त ललित सिवाच ने कहा कि बड़े उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लघु व मध्यम वर्ग के उद्योग रीढ की हड्डी के रूप में कार्य करते हैं। खुशी की बात यह है कि आईटीआई व अन्य शिक्षण संस्थानों से आए विद्यार्थियों ने यहां पहुंचे उद्योगपतियों से विस्तार से

अच्छी सेहत का राज

जिला प्रशासन व उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के तहत एमएसएमई द्वारा सूक्ष्म, मध्यम व लघु उद्योगों को बढ़ावा देने, जिला में चल रहे कुटीर उद्योग को जानने समझने व शहरी व ग्रामीण अंचल में स्थापित छोटे व बड़े उद्योग संचालकों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने व बिक्री करने के उद्देश्य से पुलिस लाईन ग्राउंड में जिला व्यापार मेले का आयोजन किया गया।

मेले में 67 नम्बर स्टाल पर 'देशी अपनाओ देश बचाओ' की मुहीम को आगे बढाते हुए महमूदपुर माजरा निवासी श्याम सिंह ने हिमांशु हर्बल के नाम से स्टाल लगाई। स्टाल पर अच्छे स्वास्थ्य के लिए नेचुरल चीजों को अपने खानपान के रूप में शामिल करने के बारे में बताया गया। उन्होंने आंवला, सेब, गाजर, बेलगिरी, हरड़, बांस, एलोवेरा, नीम आदि से बने विभिन्न प्रकार के उत्पाद रखे थे। उन्होंने बताया कि इस सूक्ष्म उद्योग से जुडकर वे अपना और अपने परिवार का पालन पोषण तो कर ही रहे है, कई अन्य लोगों को भी रोजगार दिया है।

जड़ी बूटियों से इत्र के उत्पाद

स्टॉल नंबर 70 पर आगुंतकों की काफी भीड़ थी। स्टॉल मालिक गोहाना निवासी सदानंद यहां प्राकृतिक जड़ी बुटियों से बनी सुगंधित धूप, अगरबत्ती, हवन सामग्री, इत्र इत्यादि बेच रहे थे। सदानंद ने बताया कि इस सुक्ष्म उद्योग को लगाने से कई युवाओं को रोजगार मिला है। कहा कि खादी ग्रामोद्योग से जुड़ने के बाद उनके माल की सप्लाई दिल्ली से पंजाब तक होने लगी है। उन्होंने बताया कि वे इससे पहले किसी युनिट का हिस्सा थे। काम सीखने के बाद उन्होंने अपनी स्वयं की युनिट खोल कारोबार को आगे बढ़ाया है।

उन्होंने बताया कि एमएसएमई बड़े उद्योगों की तुलना में अपेक्षाकृत कम पूंजी लागत में बड़े रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय आय और धन की अधिक समान वितरण सुनिश्चित करने, क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने व ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के औद्योगीकरण में मदद कर रही है।

आर्टिफिशियल आभूषण बना रही महिलाएं

चटिया औलिया निवासी अनोखी शर्मा ने 28 नम्बर स्टाल पर गांव के महिला ग्राम संगठन द्वारा हाथ से बने आर्टिफिशियल आभूषणों की प्रदर्शनी लगाई। उन्होंने बताया कि गांव की ही लगभग 60 महिलाओं को उनकी इस संस्था द्वारा रोजगार प्राप्त हुआ है। महिलाओं को कच्चा माल दिया जाता है और प्रत्येक आईटम के हिसाब से उनका मेहनताना दिया जाता है। इस सूक्ष्म उद्योग के जरिए वे 20 से 25 हजार रुपए कमा लेते हैं। वे हरियाणा में विभिन्न स्थानों पर होने वाली प्रदर्शनियों में भी अपनी स्टाल लगाती हैं। एचएसआरएलएम के द्वारा हमें आर्टिफिशियल गहने बनाने की ट्रेनिंग दी गई और मैने अपने गांव की लगभग 60 महिलाओं को इक्ट्ठा कर गांव चटिया औलिया महिला ग्राम संगठन बनाया। आर्टिफिशियल गहनों को महिलाओं द्वारा काफी पंसद किया जाता है।

देसी गाय के घी का कारोबार

मीमारपुर गांव की राजकुमारी ने देशी गाय के घी का कारोबार शुरू किया है। इस कारोबार ने गांव गुहांड की करीब 200 महिलाओं को रोजगार दिया है। राजकुमारी कहती हैं, उन्होंने वर्ष 2013 में देसी गाय की एक डेयरी की थी, लेकिन कुछ समय बाद मजदूरों के अभाव के कारण डेयरी नुकसान में चली गई। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और वह कार्य में और गंभीरता से जुटी रही।

उन्होंने एक-एक महिला को एक-एक देसी गाय दे दी। इन सभी गायों का पालन-पोषण ये महिलाएं करती है। वो केवल उनसे इन गायों का दूध अच्छे दामों में खरीदती हैं। बताया कि उन्होंने हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की सहायता से इन महिलाओं का स्वयं सहायता समूह बनाया। वे इन महिलाओं की सहायता से देसी गाय का घी, आचार, आंवले का मुरब्बा, जैम, चटनी, जैली, चुकंदर का जैम आम की चटनी, जैविक खांड, गुड व शक्कर के अलावा विभिन्न प्रकार की कैंडी इत्यादि तैयार करती हैं और बाजार में बेचती हैं। इन चीजों को बिक्री से प्रत्येक महिला को प्रति माह 10 से 15 हजार रुपए की आमदनी हो जाती है।

हरियाणा में आयुष चिकित्सा प्रतिपूर्ति नीति के तहत राज्य सरकार के कर्मचारियों व पेंशनधारकों को आयुष चिकित्सा पद्धति से ईलाज और दवाओं की प्रतिपूर्ति संभव हो सकेगी।

स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि हर शहर को 'साफ सिटी-सेफ सिटी' बनाने की कड़ी में सभी निकायों की प्रॉपर्टी का डाटा सत्यापित करने के लिए ऑनलाइन सुविधा शुरु की है।

कित में खड़े हो रहे युवा

बातचीत की।

राजकीय कन्या महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ वंदना नासा ने कहा कि जीवन में कामयाब होने के लिए उम्र नहीं जुनून व जज्बे की जरूरत है, आज विद्यार्थियों को हर जानकारी इंटनेट के माध्यम से उपलब्ध हो जाती है। इंटरनेट का प्रयोग अगर विद्यार्थी अच्छे कार्य के लिए करें तो तकदीर बदलने में देर नहीं लगेगी।

नौकरी देने वाले बनें: राजवंती

राजकीय महिला कॉलेज से प्राध्यापिका राजवंती धनखड़ ने कहा कि सफल व्यक्ति बनने के लिए डिग्री के साथ-साथ स्किल होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उम्र किसी भी सफलता की मोहताज नहीं होती, क्योंकि एक सफल व्यक्ति बनने के लिए उम्र कोई भी हो सकती है बस व्यक्ति के पास एक टारगेट होना चाहिए। उसी टारगेट

को पूरा करने के लिए उसे सबसे ज्यादा समय दोगे तो एक दिन आप ऐसा मुकाम हासिल कर लोगे जो सभी के लिए उदाहरण बनने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि सभी युवा नौकरी लेने वाले नहीं, नौकरी देने वाले सपने के साथ आगे बढ़ें, तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर हम इंटरनेट का सही प्रयोग करेंगे तो कामयाब हो जाएंगे और गलत प्रयोग करेंगे तो बर्बाद हो जाएंगे।

अमेरिका तक है मनौली के उत्पादों की मांग

मनौली से आए प्रगतिशील किसान दिनेश चौहान ने बताया कि आज के युग में अगर हम कृषि में वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग करेंगे तो किसान अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकता है। बस हमें पारंपरिक गेहूं व धान की खेती को छोड़कर ऐसी खेती करने होगी, जिसकी डिमांड आजकल भारतीय बाजार के अलावा विदेशी बाजार में भी है। तकनीकी खेती करने से पहले किसान इसके लिए प्रशिक्षण लें और फिर खेती को शुरू करें। उन्होंने बताया कि आज मनौली के आसपास के गांवों की सब्जी, स्वीट कॉर्न, बेबी कोर्न व अन्य कृषि प्रोडक्ट की डिमांड यूरोप व अमेरिका तक है और प्रतिदिन ये चीजें भारत से इन देशों में निर्यात की जाती हैं।

दिनेश चौहान ने बताया कि वैज्ञानिक तरीके से कृषि करने से पानी की बचत होती है क्योंकि इसमें पौधों को पानी डीप तकनीक से दिया जाता है। इसलिए सभी किसान वैज्ञानिक तरीकों को अपनाएं। भले ही पहले साल मुनाफा कम हो लेकिन एक दिन जरूर इतना मुनाफा होगा जिसकी आप कल्पना नहीं कर सकते।

मोटे अनाज के उत्पाद व अचार से आमदनी

संगीता शर्मा

महिलाएं जब एकजुट होकर मेहनत से स्टार्ट अप करती है तो राज्य सरकार भी उनकी मददगार साबित होती है। इसका साक्षात प्रमाण है महेंद्रगढ़ के बवानी गांव के 'बवानिया पिक्ल किसान उत्पादक संगठन' । इस एफपीओ को बागवानी विभाग, हरियाणा की ओर से फैक्टरी लगाने का प्रोजेक्ट मिला है। दो करोड़ की लागत से बनने वाली फैक्टरी में लगभग 70-80 प्रतिशत सब्सिडी सरकार की ओर से मिलेगी। इसकी प्रक्रिया अभी जारी है और इस कार्य को पूर्ण करने में महेंद्रगढ़ के बवाना गांव की एफपीओ की डायरेक्टर बनारसी देवी जुटी हुई है। वह न केवल स्वयं आत्मनिर्भर हो रही है, बल्कि अन्य महिलाओं को रोज़गार देकर उन्हें आर्थिक रूप से मज़बूत कर रही है। वह मोटा अनाज के उत्पादों व अचार की विभिन्न किस्में बनाकर आमदनी कमा रही हैं।

उत्पादों की सप्लाई

बनारसी देवी वर्ष 2001 से जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के साथ जुड़ी हुई है और 200 के करीब स्वयं सहायता समूहों का गठन करके महिलाओं को आत्मनिर्भर बना चुकी है। वर्ष 2017 में नाबार्ड के सहयोग से 'प्रगतिशील टैगोर' नामक स्वयं सहायता समूह का गठन किया। इसके अंतर्गत बेरी, टीट, करेला, देसी करेला, आंवला, मिक्स आचार, हरी मिर्च, लाल मिर्च, करौंदा और अन्य मौसमी अचार बनाकर लाभ कमाती है। इस कार्य में 300 महिलाएं जुटी हुई हैं और अचार को सरसों के तेल से बनाती है और सिरका व अन्य परिरक्षक का प्रयोग नहीं करती। जिससे कारण इनके बनाए अचारों की बहुत मांग हैं और अन्य जिलों से भी खरीददार अचार लेने आते हैं। मेलों में भी अचार की ख़ासी बिक्री होती है। कॉरियर के माध्यम से अचार व मोटे अनाज के उत्पादों को सप्लाई किया जाता है। उन्होंने बताया कि जब अचार बनाने के काम शुरू किया था तो मिर्च, नींबू, आम व अन्य किस्मों का बीस-बीस किलो अचार बनाती थी और अब इसकी मात्रा पांच से दस क्विंटल हो गई है।

मेले से मिलते हैं नए ग्राहक

बनारसी ने बताया कि बागवानी विभाग, हरियाणा के सहयोग से 'बवानिया पिक्ल

किसान उत्पादक संगठन' का गठन वर्ष 2019 में किया है। इसमें सात गांवों के किसान व महिलाएं शामिल हैं। वह संगठन की डायेक्टर व उनकी बहू भागवंती प्रधान है। इस संगठन के माध्यम से वह अचार की कई किस्मों व आंवला के सात उत्पाद आंवला आचार, मुरब्बा, कैंडी और आंवला का च्वयनप्राश आदि बनाती हैं। मोटे अनाज का प्रमोट करने के लिए भी प्रशंसनीय कार्य कर रही हैं। जैविक बाजरा के लड्डू, नमकीन, मटर, खिचड़ी आदि बनाती है। वह बताती है कि बाजरा की नमकीन व मटर लोगों को अधिक पसंद आ रहे हैं जिसके कारण गर्मियों में भी इनकी मांग बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि अब कंगनी मोटे अनाज व आम पन्ना व आम जूस पर काम कर रहे हैं। यह उत्पाद गर्मियों में ठंडक प्रदान करते हैं। कंगनी के लड्डू व मठ्ठी भी बना रही हैं। उन्होंने बताया कि कंगनी के सेवन से हड्डियां मज़बूत होती है और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभदायक है। उन्होंने बताया कि उनके समूह से रेवाड़ी, रोहतक, झज्जर, करनाल, पंचकूला, दिल्ली, गुजरात व अन्य राज्यों के विक्रेता उत्पाद खरीदकर व कॉरियर के माध्यम से भेजा जाता है।

लाखों का मुनाफ़ा

बनारसी ने बताया कि बागवानी विभाग हरियणा के सहयोग से उनके एफपीओ को फैक्टरी लगाने का बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। दो करोड़ की लागत से यह फैक्टरी तैयार होगी और इसमें 70 से 80 प्रतिशत सब्सिडी सरकार के ओर से मिलेगी। इस प्रोजेक्ट से

उत्पाद बनाने की बड़ी-बड़ी मशीनें व अन्य ज़रूरत का सामान खरीदा जाएगा और साथ ही कोल्ड स्टोरेज बनाया जाएगा। इसमें 100-150 महिलाओं को रोज़गार मिल सकेगा।

उन्होंने बताया कि जनवरी से मार्च महीने तक उनकी चार लाख रुपए की आमदनी हुई और अप्रैल में एक लाख से ड़ेढ लाख रुपए

के उत्पादों की बिक्री हुई। महेंद्रगढ़ के कृषि विज्ञान केंद्र की मेडम डॉ. पूनम के उचित मार्गदर्शन व सलाह से एफपीओ ने नई तरक्की की। केवीके की ओर से डेढ़ लाख रुपए की मशीन दिलाई गई। हाल ही में पंचकूला के अधिकारीगण ने उनके समूह का दौरा किया और उनके उत्पाद बनाने की तकनीक को देखा कि कम सहूलियत व लागत में महिलाएं अधिक अच्छा काम कर रही हैं। उनके समूह को पांच लाख रुपए का अनुदान देने की घोषणा की। बनारसी घर के उपयोग के लिए सब्ज़ियों की जैविक खेती भी करती हैं। उन्हें हरियाणा सरकार की ओर से सराहनीय कार्य के लिए कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है।

महिलाओं को मिला रोज़गार

एफपीओ की प्रधान भागवंती व अन्य सदस्या सुषमा, माया, कृष्णा, बिमला, मंजू, रेखा का कहना है कि एफपीओ से जुड़कर बहुत अच्छा लग रहा है और हम आर्थिक तौर से मज़बूत हुए हैं। घर का गुजारा व बच्चों की पढ़ाई में सहयोग कर रहे हैं। उनका कहना है कि हम लोगों को गुणवत्तायुक्त आचार व मोटे अनाज के उत्पाद बेच रहे हैं जो कि स्वास्थ्य की दृष्टि से अति उत्तम है। इनका सेवन करने से हम बिमारियों से निजात पा सकते हैं। उन्होंने बताया कि उत्पाद को बनाने से लेकर पैकेजिंग व मार्केटिंग सभी कार्य महिलाएं स्वयं करती हैं। वह कहती है कि बागवानी विभाग, हरियाणा की ओर से फैक्टरी बनाई जाने से अधिक से अधिक महिलाओं को लाभ मिलेगा और वह रोज़गार पा सकेंगी।

अनुबंध आधार की भर्तियों में पूरी पारदर्शिता: मुख्यमंत्री

राजकीय सेवा क्षेत्र में तत्काल जरुरत के लिए हरियाणा कौशल रोजगार निगम के जरिए अनुबंध आधार पर कर्मियों की भर्ती की जा रही हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बीते पखवाड़े विभिन्न विभागों में आवश्यकता अनुसार 1087 उम्मीदवारों को जॉब ऑफर भेजे गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पारदर्शी तरीके से सरकारी भर्तियां की जा रही हैं। एचकेआरएन के माध्यम से दी जाने वाली नौकरियों में भी पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है, जिससे नागरिक अति प्रसन्न हैं। भेजे गए जॉब ऑफर में 382 ड्राइवर, 92 आयुष योग सहायक, 96 डाटा एंट्री ऑपरेटर, 55 फायरमैन/फायर ड्राइवर, 31 जुनियर इंजीनियर शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का ध्येय जरूरतमंद परिवारों अर्थात अंत्योदय परिवारों के सदस्यों को एचकेआरएन के तहत रोजगार के अवसर मुहैया करवाना है, ताकि वे परिवार भी आत्मनिर्भर हो सकें। उन्होंने कहा कि सरकार को लगातार आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत सेवा प्रदाताओं द्वारा रखे गए कर्मचारियों के शोषण की शिकायतें प्राप्त होती थी, इसलिए वर्तमान सरकार ने कौशल रोजगार निगम का गठन करने का निर्णय लिया था। अब सभी अनुबंध कर्मचारियों की नियुक्ति इस निगम के माध्यम से हो रही है।

5600 से अधिक को दिया गया रोजगार: मनोहर लाल ने कहा कि एचकेआरएन के माध्यम से अब तक लगभग 5600 से अधिक उम्मीदवारों को रोजगार प्रदान किया जा चुका है। इनमें मुख्य रूप से टीजीटी, पीजीटी, ड्राइवर, आयुष योग सहायक और लाईनमैन शामिल हैं। एचकेआरएन के माध्यम से रखे गए कर्मचारियों में एससी, ओबीसी इत्यादि श्रेणी के लिए आरक्षण का भी पूरा अनुपालन किया गया है। इतना ही नहीं, आरक्षण की सीमा से अधिक कर्मचारी लगाए गए हैं।

'प्रापर्टी वेरिफिकेशन पोर्टल' के माध्यम से अब कोई भी व्यक्ति अपनी प्रापर्टी के डाटा का सत्यापन ह्वद्यड्ढह्म्4ठ्ठस्रष्.शह्द्द पोर्टल पर कर सकता है। पोर्टल में डाटा में सुधार के विकल्प भी है।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि प्रशासनिक सचिव सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों की समीक्षा और लंबित समस्याओं का निदान तीन माह में सुनिश्चित करें।

चुनौतियों को अवसर में बदलने का संकल्प लें कृषि वैज्ञानिक

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरते भूजल-स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चिंताएं हैं, जिनका समाधान खोजना कृषि पेशेवरों तथा वैज्ञानिकों का दायित्व है। एकजुटता से प्रयास करने होंगे कि पर्यावरण और जैव-विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए सबको पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। यह एक चुनौती भी है और अवसर भी। मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि पेशेवर अपनी शिक्षा के बल पर इस चुनौती को अवसर में बदल देंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विद्यार्थियों को डिग्रियां व गोल्ड मेडल प्रदान किये।

डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक बेटियों की संख्या से गौरवान्वित हुई राष्ट्रपति ने कहा कि आज गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में भी 70 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं। यह संतोष और गर्व का विषय है कि हमारी बेटियां कृषि एवं संबद्ध विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है, लेकिन आज शिक्षा संपूर्ण नहीं हुई है, केवल एक हिस्सा पूरा हुआ है। कृषि विज्ञान के विद्यार्थी के रूप में आप सभी ने जो भी सीखा है, उसका व्यावहारिक रूप से उपयोग करने का अवसर जीवन में आएगा। अब आप अन्नदाता किसान के साथ मिलकर कृषि के विकास में अपना योगदान देंगे और कृषि जगत की सेवा करते रहेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों की किसान-हितैषी नीतियों, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तकनीकी पहल और सबसे बढ़कर यहां के किसानों की नवीनतम कृषि तकनीकों को अपनाने की इच्छा-शक्ति को जाता है। उन्हें पूरा विश्वास है कि यहां के लोगों के सामर्थ्य के बल पर प्रदेश का भविष्य और भी उज्ज्वल होगा।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय ने एक इलैक्ट्रिक ट्रैक्टर विकसित करने में कामयाबी हासिल की है। बैटरी द्वारा संचालित यह इस ट्रैक्टर को चलाने की लागत डीजल की तुलना में बहुत सस्ती है। विश्वविद्यालय ने युवाओं के कृषि उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए हैं, जिसके तहत 90 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं।

समृद्धि और खुशहाली में विशेष योगदानः सीएम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी युवा वैज्ञानिकों को बधाई देता हुए कहा कि किसानों के लिए फसल विविधिकरण के साथ-साथ डेयरी, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, वृक्षारोपण, बायोगैस, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक कीटनाशक व जल संरक्षण पद्धतियों को भी बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय ने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में देश-विदेश में बड़ा नाम कमाया है। यही नहीं, हरियाणा प्रदेश आज जिस समृद्धि और खुशहाली के मुकाम पर पहुंचा है, उसमें इस विश्वविद्यालय का उल्लेखनीय योगदान है।

ब्राजील की तकनीक से बढ़ेगा दूध उत्पादन

दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी को लेकर हरियाणा में ब्राजील तकनीक को अपनाया जाएगा ताकि यहां के पशुपालकों की आय में वृद्धि हो और गांव स्तर पर ही रोज़गार उपलब्ध हो सकें। हरियाणा सरकार द्वारा ब्राजील तकनीक को अपनाने वाले पशुपालकों को प्रोत्साहित किया जाएगा और करोड़ों रुपए की परियोजना की शुरुआत करने लिए अनुदान राशि का सहयोग भी दिया जाएगा। कृषि मंत्री जेपी दलाल करनाल के गांव खेड़ीनरू में पशुपालकों को संबोधित कर रहे थे।

जे.पी दलाल ने पशुपालकों को आह्वान किया कि वे दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में ब्राजील पद्धति को अपनाएं और अपनी आमदनी में वृद्धि करें। उन्होंने कहा किसानों को परंपरागत खेती को छोड़कर कम लागत वाली फसलों को अपनाना होगा। इसके अलावा, खेती के साथ-साथ पशुपालन को एक व्यवसाय के रूप में अपनाएं। वहां के पशुपालक न केवल दूध को अपनी आमदनी का ज़रिया बनाए हुए हैं, बल्कि अच्छी नस्ल की गाय व भैंस जो कि 60 से 70 लिटर दूध देती हैं, उनसे पैदा हुए कटड़े व बछड़े को झोटे व सांड के रूप मे तैयार करते हैं और उनका सीमन भी बेचते हैं। इस पद्धति से अच्छी नस्ल के सांड व झोटे के सीमन से अधिक मात्रा में दूध देने वाली कटड़ी व बछड़ियां पैदा होती हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि मछली पालन भी आमदनी का एक अच्छा साधन है इसकी तरफ़ भी किसानों को अपने बच्चों को प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि भिवानी के अंदर एक हजार युवाओं को जोड़ने का काम किया है और वे अच्छी ख़ासी आमदनी ले रहे हैं। उनका लक्ष्य 10 हजार युवाओं को मछली पालन व्यवसाय से जोड़ना है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि हरियाणा सरकार द्वारा किसानों एवं पशुपालकों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जा रही है ताकि किसान की आमदनी बढ़े, तरक्की करें।

-संवाद ब्यूरो

पंचायती ज़मीन पर बनाई जाएंगी गो चरान

हरियाणा सरकार राज्य में घूम रही बेसहारा गायों के समुचित आवास एवं आश्रय के लिए प्रतिबद्ध है। जल्द ही गौ-सेवा आयोग, एनजीओ, पशुपालन एवं डेयरी विभाग और विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा मिलकर एक योजना तैयार की जाएगी। यह जानकारी हरियाणा निवास में विभिन्न गौशालाओं के प्रतिनिधियों, गौ-सेवा आयोग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग और विकास एवं पंचायत विभाग तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कृषि एवं किसान कल्याण और पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जयप्रकाश दलाल ने दी।

जयप्रकाश दलाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विकास एवं पंचायत विभाग की खाली जमीनों का ब्यौरा तैयार करें ताकि ग्रामीणों के सहयोग से पंचायती जमीन पर गौशाला व गौ-वन बनाये जा सकें। उन्होंने आगामी समय के लिए गौशालाओं में रहने वाली गायों के लिए समुचित मात्रा में चारा का प्रबंध करने के निर्देश भी दिए।

एक लाख बेसहारा पशु

हरियाणा गौ सेवा आयोग में 635 गौशालाएं पंजीकृत हैं जिनमे करीब 4.5 लाख पशु रखे गए हैं, जबकि करीब एक लाख बेसहारा पशु हैं। इनमें से लगभग 40 हजार ग्रामीण क्षेत्र और 60 हजार शहरी क्षेत्र में घूम रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में बेसहारा पशुओं के कानों में 12 डिजिट के यूनिक टैग लगाकर उनकी पहचान सुनिश्चित की जाएगी। वहीं गौशालाओं के लिए शामलात भूमि की उपलब्धता, चारा उगाने तथा आवारा पशुओं के पुनर्वास के लिए उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर गौशाला को प्रोत्साहित करने का काम भी सरकार द्वारा किया जाएगा। मौजूदा गौशालाओं में 50,000 बेसहारा पशुओं का पुनर्वास किया जाएगा। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र के सभी बेसहारा पशुओं को समय-सीमा के अनुसार पहले से मौजूद गौशालाओं में पुनर्वासित किया जाएगा।

गायों की टैगिंग सुनिश्चित करेंगे

पशुपालन मंत्री ने कहा कि सर्वप्रथम यह जांच करें कि वर्तमान में गौशालाओं में रखी गई गायों के लिए रहने का उचित स्थान है या नहीं? अगर किसी गौशाला में अतिरिक्त गौ हैं तो उनके लिए किसी दूसरी गौशाला या आवश्यकता अनुसार नई गौशाला वन बनाकर वहां पुनर्वास किया जाये। विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से बेसहारा पशुओं को पकड़ने और लाने के लिए हरियाणा गौ सेवा आयोग द्वारा प्रदान की गई गौशालाओं/स्थलों पर आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में नई गौशालाएं खोलने और चारे की खेती के लिए भूमि उपलब्ध कराएंगे।

प्रदेश में 7 अप्रैल से 14 अप्रैल तक यातायात नियमों की उल्लंघना करने पर कुल 5,867 चालान किए गए, जिसमें 2,803 लेन ड्राइविंग और 3,064 गलत साइड ड्राइविंग के चालान शामिल हैं।

पंचकूला में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने और कचरे के निस्तारण हेतु आगामी एक साल के लिए एजेंसी को कार्य दिया है। एजेंसी द्वारा डोर-टू-डोर कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन और प्रोसेसिंग की जाएगी।

सुशासन की मज़बूती के लिए तीन नए पोर्टल

विशेष प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सुशासन को और गति देते हुए तीन और पोर्टल लॉंच किए हैं। इनमें प्रो-एक्टिव दिव्यांग पेंशन सेवा, ताऊ से पूछो व्हाट्सएप बॉट और पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर) विश्राम गृहों की ऑनलाइन रूम बुकिंग सुविधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये तीन आईटी पहल निश्चित रूप से राज्य सरकार के पेपरलैस और पारदर्शी शासन के दृष्टिकोण में मील का पत्थर साबित होंगी।

प्रो-एक्टिव दिव्यांग पेंशन सेवा

राज्य सरकार सभी सरकारी सेवाओं को लोगों के घरद्वार पर पहुंचाने के लिए वचनबद्ध है। इसी कड़ी में दिव्यांग पेंशन को भी परिवार पहचान पत्र से जोड़कर आटोमैटिक ढंग से पेंशन बनाने का काम शुरू किया जा रहा है।

सेवा विभाग के जिला अधिकारी पेंशन शुरू करने से लिए इन नागरिकों की सहमति लेने के लिए उनके पास जाएंगे। सहमति प्रदान करने वाले सभी दिव्यांगों की अगले महीने से पेंशन शुरू कर दी जाएगी।

ताऊ से पूछो

मुख्यमंत्री ने वेब बेस्ड चैट बॉट सॉल्यूशन के साथ-साथ 'ताऊ से पूछो' नामक व्हाट्सएप बॉट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में नागरिकों के विभिन्न सवालों के जवाब देने के लिए वेब बेस्ड चैट बॉट सॉल्यूशन के साथ-साथ ताऊ से पूछो व्हाट्सऐप बॉट बनाया गया है।

ताऊ से पूछो नामक व्हाट्सएप बॉट नागरिकों के प्रश्नों का तुरंत जवाब देगा। यह सबके लिए आसानी से सुलभ होगा और नागरिक अपने घर बैठे सरलता से व्हाट्सएप पर संवाद कर सकेंगे। इस इंटीग्रेटेड डिजीटल प्लेटफॉर्म में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग जैसी तकनीकों को जोड़ा गया है।

ये रहेंगी सुविधाएं

- नागरिक विभिन्न डेटा फील्ड की स्थिति के साथ-साथ आय, विवाह, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राशन कार्ड, जाति, पेंशन और शिकायतों जैसी सेवाओं के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं।
- एकीकृत ताऊ और व्हाट्सएप बॉट परिवार पहचान संख्या से संबंधित प्रासंगिक प्रश्नों का उत्तर देगा।
- परिवार द्वारा आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, पात्रता, सरकारी नियमों और विभिन्न कार्यक्रमों के लाभों पर सलाह लेने के लिए एकीकृत ताऊ से पूछो व व्हाट्सएप बॉट के साथ संवाद किया जा सकता है।
- नागरिक आय प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पेंशन, और शिकायतों व समस्याओं सहित विभिन्न सेवाओं के लिए अपने आवेदनों की प्रगति की जांच कर सकेंगे।

आम आदमी भी ले सकेगा विश्राम गृहों में कमरे

लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़क) के विश्राम गृहों में कमरों की बुकिंग के लिए पोर्टल का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सभी विश्राम गृहों में सरकारी अधिकारियों के साथ-साथ निजी लोग भी कमरों की ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति अपने कमरे की बुकिंग hryguesthouse.gov.in पर करवा सकते हैं।

इनके लिए कुछ शर्तें रखी गई हैं, जिनमें बुकिंग के 15 दिन पहले खाली कमरों के 25 प्रतिशत कमरे बुक करवा सकते हैं। बुकिंग के 7 दिन पहले तक खाली कमरों के 50 प्रतिशत कमरे बुक करवा सकते हैं और बुकिंग के 3 दिन पहले तक खाली कमरों के 75 प्रतिशत कमरे बुक करवा सकते हैं। लेकिन बुकिंग की तारीख से 3 दिन पहले प्राइवेट लोगों के लिए कमरों की बुकिंग नहीं की जाएगी।

प्रदेश में अगले वर्ष तक 270 नए पीएम-श्री स्कूल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को वर्ष 2025 तक पूरी तरह करेंगे लागू

प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को वर्ष 2025 तक पूरी तरह से लागू करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में 4,000 नए प्ले वे स्कूल खोले जा रहे हैं। अब इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम हिन्दी में शुरू किए जा रहे हैं। सेल्फ फाइनैंसिंग सिस्टम का प्रयास जारी है ताकि शिक्षण संस्थान आत्मनिर्भर बन सकें। हालांकि गरीब बच्चों को पढ़ाने के लिए जितना खर्चा होता है वो सरकार दे रही है। इतना ही नहीं, प्रदेश में हर बच्चे को शिक्षा के माध्यम से देश की मुख्यधारा में लाने के लिए जीरो ड्रॉप आउट की नीति पर काम किया जा रहा है ताकि अगले वर्ष तक प्रदेश में कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर ना रहे। इसके लिए 6 से 18 वर्ष आयु के करीब 48 लाख बच्चों के शिक्षा के स्टेटस को जानने के लिए ट्रैक किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना के अंतर्गत अगले वर्ष तक प्रदेश के 135 खण्डों में दो-दो अर्थात कुल 270 पीएम-श्री स्कूल खोले जाएंगे। हर खण्ड में यह मॉडल स्कूल होंगे और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार इन स्कूलों में बच्चों को शिक्षा दी जाएगी। बच्चों को संस्कार के साथ शिक्षा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार की गई है।

हरियाणा में फाइव एस यानी शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वावलंबन व स्वाभिमान के साथ-साथ सुशासन को भी जोड़ा गया। जिसके बीते आठ वर्ष से अधिक समय में सकारात्मक परिणाम निकले। देश में पहली बार सरकारी स्कूलों के बच्चों को टैक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए दसवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों को साढ़े पांच लाख टेबलेट वितरित किए गए।

प्रदेश के हर चार-पांच गांवों का एक क्लस्टर बनाया गया है। जिसमें एक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ऐसा होगा जहां तीनों संकाय-कला, विज्ञान व वाणिज्य की पढ़ाई के साथ स्वरोज़गार के लिए बच्चों के कौशल को भी विकसित किया जाएगा। इसी तरह छात्राओं के शिक्षण संस्थानों तक आवागमन को सुरक्षित बनाने के लिए छापसु (छात्रा परिवहन सुरक्षा) योजना के तहत 150 नई बसें भी खरीदी गई हैं और हर संस्थान में छात्राओं के परिवहन के लिए एक-एक नोडल अधिकारी भी लगाया गया। गरीब परिवारों के बच्चे यदि निजी स्कूल में पढ़ना चाहते हैं तो उनके लिए 'चिराग योजना' चलाई है। इसके तहत बच्चों की फीस सरकार द्वारा वहन की जा रही है। पहली से पांचवीं तक 700 रुपए, आठवीं कक्षा तक 900 रुपए और बारहवीं कक्षा तक 1,100 रुपए प्रतिमाह फीस सरकार की ओर से दी जा रही है।

> बच्चों को जॉब सीकर की बजाय जॉब गिवर बनाने के लिए स्कूल से लेकर कॉलेज तक स्किलिंग को शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश में संस्कृति मॉडल स्कूल खोले हैं, जहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। चिराग योजना से होनहार बच्चों को प्राइवेट स्कूल में पढ़ने का अवसर प्रदान करने के लिए सरकार की ओर से तयशुदा फीस दी जा रही है।
>
> **मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा**

नि:शुल्क बीमा योजना

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एचडीएफसी बैंक के साथ नि:शुल्क बीमा योजना के लिए समझौता ज्ञापन करार किया गया है जिसके तहत यदि कर्मचारी अपने वेतन खाते को एचडीएफसी बैंक में स्थानांतरित करवाता है तो उसे बदले में अनेक लाभ मुफ्त में मिलेंगे, जिसमें 50 लाख रुपए का दुर्घटना मृत्यु बीमा भी शामिल है।

शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने एचडीएफसी बैंक के साथ हुए एमओयू के उपरांत बताया कि एचडीएफसी बैंक द्वारा सीएसआर कार्यक्रम के तहत राज्य के 103 विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना करने के लिए भी समझौता किया गया है जिसमें प्रदेश के महत्वाकांक्षी डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम में एचडीएफसी का बहुत बड़ा सहयोग होने वाला है। यह एक स्वैच्छिक योजना है जिसमें कर्मचारी यदि अपनी इच्छा से एचडीएफसी बैंक में खाता खुलवाता है, तो उसे यह लाभ मिलेगा।

हरियाणा सरकार द्वारा किसानों को धान की सीधी बिजाई के लिए डीएसआर मशीन पर 40 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा।

विश्व विख्यात पर्वतारोही एवं तीन बार माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने वाली अनीता कुण्डू अब नेपाल में स्थित 8,481 मीटर ऊंची चोटी माउंट मक़ालू पर चढ़ाई करेंगी

अनूठा हरियाणा समृद्ध हरियाणा

वैदिक, यौधेय एवं आर्य संस्कृति का प्रदेश। सीसवाल, सैन्धव, सोठी, हड़प्पा सभ्यता का संवाहक। श्रीमद्भगवद् गीता का आविर्भावक। सांस्कृतिक आयु असंख्य वर्ष। अनेकानेक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक, आर्थिक परिघटनाओं का साक्षी। एक अलग-विलग विरली लोक सांस्कृतिक अस्मिता का संचालक। ऐसे विरले प्रदेश का नाम है- हरियाणा।

अन्तः सलिला सरस्वती, दृष्द्वती, मार्कंडा, यमुना, साबी आदि नदियों के इस प्रदेश के काम्यक वन, अदिति वन, व्यास वन, फलकी वन, सूर्य वन, शीत वन, मधुवन आदि मोहक वनीय क्षेत्र ऋषि-मुनियों की शरणस्थली रहे हैं। बांगर, खादर, नर्दक, बागड़, अहीरवाटी, मेवात, ब्रज आदि उपखंडों में विभाजित इस प्रदेश में उपजी एक अनूठी लोकसंस्कृति, एक अनूठा लोकसाहित्य।

वैदिक-संस्कृत-जैन-बौद्ध साहित्य, महाभारत महाकाव्य, स्मारकों -स्तूपों-सभ्यता स्थलों से उत्खनन में प्राप्त सिक्कों -मोहरों-मुद्रांकों-मूर्तियों-गृहोपयोगी चीज़ों, सरकारी दस्तावेज़ों, पुरातात्त्विक अवशेषों, विदेशियों के यात्रा वृत्तांतों, पाश्चात्य लेखकों के ग्रंथों, पत्र -पत्रिकाओं आदि से प्राप्त सबूतों से स्वतः ही हरियाणा की संस्कृति, सभ्यता एवं इतिहास की पुरातनता सुज्ञात हो जाती है।

दरअसल, अतीत में हरिधान्यक, हरि आरण्यक, हरियावन, हर अयन, हरियान, हरियानक, बहुधान्यक, कुरु जनपद, श्रीकंठ जनपद, आर्यावर्त, ब्रह्मवर्त, ब्रह्मर्षि देश, मध्यदेश, आर्यांना, हुड़ियाना, हरियाना आदि नामों से पुकारे-जाने गए वर्तमान हरियाणा का सदियों से ऐतिहासिक अस्तित्व रहा है।

पालम (दिल्ली)की बावड़ी से संवत् 1337 के शिला लेख में हरियानक देश प्रयुक्त हुआ है, तो सारवन (दिल्ली) से प्राप्त संवत् 1384 के एक शिला लेख के तृतीय श्लोक में हरियाणा को स्वर्ग-तुल्य बताया गया है। अपनी इन्हीं पुरातात्त्विक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक अस्मिताओं के आधार पर ही 1 नवंबर, 1966 को जन्मा वर्तमान हरियाणा ।

स्वतंत्रता सेनानी और हरियाणा के वरिष्ठ नेता पंडित श्रीराम शर्मा जी ने सन् 1928 से भी पहले स्वतंत्रता आन्दोलन के प्रचारार्थ 18 मार्च,1923 को कांग्रेस की नीतियों के पोषक 'हरियाणा तिलक' नामक साप्ताहिक समाचारपत्र का प्रकाशन आरंभ कर दिया था। इसका अर्थ यह हुआ कि उस समय तक इस क्षेत्र विशेष के लिए 'हरियाणा' शब्द प्रचलन में आ चुका था।

सन् 1931में लंदन में महात्मा गांधीजी ने संयुक्त पंजाब को तोड़कर 'अलग हरियाणा' बनाने की मांग उठाई, तो दूसरी तरफ, 9 दिसंबर,1932 को देशबन्धु गुप्ता जी ने 'अलग हरियाणा' की मांग की। आगे चलकर, संयुक्त पंजाब के वरिष्ठ नेता मा. तारासिंह, अकाली नेता सन्त फतेहसिंह जी और दर्शनसिंह फेरूमान ने 'अलग पंजाब सूबा' बनवाने के लिए सन् 1948 में आन्दोलन आरम्भ कर दिया, तो प्रथम आम चुनाव के बाद सन् 1952 में चौ. देवीलाल जी ने चौ. चरणसिंह जी को विश्वास में लेकर तत्कालीन संयुक्त पंजाब और उत्तर प्रदेश के 125 विधायकों से 'अलग हरियाणा प्रांत' के पक्ष में हस्ताक्षर करवाकर भारत के गृहमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

सन् 1954 में हरियाणा के नेताओं ने 'हरियाणा बनाओ संघर्ष समिति' के झंडे तले तथा 'आर्य समाज' ने 'अलग हरियाणा' बनाने के लिए संघर्ष किया। होते-होते 19 अगस्त,1965 को सन्त फतेहसिंह ने पंजाब सूबा बनवाने के लिए आमरण अनशन और आत्मदाह करने की घोषणा की, तो सरकार ने 23 अप्रैल ,1966 को 'पंजाब सीमा आयोग' का गठन कर दिया।

केन्द्र द्वारा गठित 'शाह आयोग' ने अलग हरियाणा बनाने की सिफारिश की और तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने 12 जून,1966 को 'अलग हरियाणा' बनाने की घोषणा कर दी। परिणामस्वरूप, संयुक्त पंजाब के बंटवारे से पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा नामक तीन प्रदेश बन गए। अलग राज्य का दर्जा मिलने के बाद चहुंमुखी विकास ने गति पकड़ी और देखते-देखते हरित ' क्रांति, श्वेत ' क्रांति, औद्योगिक ' क्रांति, शिक्षा ' क्रांति और सूचना ' क्रांति का अग्रणी पुरोधा बन गया हरियाणा।

वर्तमान में हरियाणा में स्थान स्थान पर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, तकनीकी महाविद्यालयों, वाणिज्य महाविद्यालयों, विधि महाविद्यालयों, फार्मेसी व आयुर्वेदिक महाविद्यालयों, चिकित्सा महाविद्यालयों आदि का जाल बिछा हुआ है, जबकि सन् 1966 में केवल एक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ही अस्तित्व में था।

यूं तो, हरियाणा का हर गांव, हर शहर, हर जिला किसी-न-किसी महत्त्वपूर्ण पुरातात्विक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, सामाजिक, पौराणिक घटना का गवाह रहा है, मगर, गीतांजलि की संदेश-स्थली, पावन नगरी कुरुक्षेत्र, शिक्षा की हब ऐतिहासिक नगरी रोहतक, छोटी काशी भिवानी, सैन्य बलों की प्रदाता ऐतिहासिक नगरी रेवाड़ी, सैनिकों की भूमि झज्जर, शिक्षा-खेल-खेती में अग्रणी महाभारतकालीन नगरी सोनीपत, शहीद राजा नाहर सिंह की नगरी बल्लभगढ़, दरी-चादर के निर्माण में अग्रणी पानीपत, अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले की स्थली सूरजकुंड आदि ने हरियाणा की एक अलग पहचान बनाई। आज हरियाणा ने कृषि के अलावा उद्योग, सूचना, शिक्षा, खेल आदि अनेक क्षेत्रों में विश्वस्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

-डॉ. सन्तराम देशवाल

आस्ट्रेलिया पहुंचा गीता का आलोक

गीता का प्रचार-प्रसार करने के लिए हर साल अलग-अलग देशों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस साल का आयोजन आस्ट्रेलिया में है।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आस्ट्रेलिया में आयोजित किया जा रहा है और हरियाणा सरकार की ओर से गृह मंत्री अनिल विज पूरे कार्यक्रम का प्रतिनिधित्व करेंगे। गृह मंत्री अनिल विज के अंबाला स्थित आवास पर पहुंचे गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का गृह मंत्री अनिल विज ने स्वागत किया और उन्हें शॉल भेंट कर आर्शीवाद लिया।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि आस्ट्रेलिया में गीता महोत्सव के दौरान आस्ट्रेलिया की संसद में एवं अन्य स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। भगवत गीता संदेश को लेकर बड़ा सेमीनार भी आयोजित होगा। आस्ट्रेलिया में गीता महोत्सव एक सरकारी उत्सव नहीं बल्कि आस्ट्रेलिया की लगभग 70-80 संस्थाएं मिलकर कर महोत्सव आयोजित कर रही हैं और हरियाणा सरकार व कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का प्रोत्साहन उसके साथ है।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2016 में प्रारंभ हुआ और भगवत गीता पूरे विश्व की प्रेरणा है। इसलिए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की ओर से निर्णय लिया गया था कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव भारत से बाहर अन्य देशों में मनाया जाए जिससे भगवत गीता को वैश्विक पहचान मिले और यह विश्व के सामने आ सके। इससे पहले मॉरिशियस, इंग्लैंड और कनाडा में भी गीता महोत्सव हो चुके हैं और अब चौथा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आस्ट्रेलिया में हो रहा है।

-संवाद ब्यूरो

सुण छबीले बोल रसीले

काम करण की नीयत हो तै क्याएं की कमी कोन्या

- रसीले भाई, कितोड़ चाल्या?

- भाई छबीले खेत में जाऊं सूं। कम्पेन तैं गेहूं कटवा दिए। उननै संगवाकै ज्वार की तैयारी करां।

- भाई इबै तैं ज्वार की त्यारी? इसा के तकाजा होग्या?

- हां भाई, डांगरां नैं हरा पात्ता तो चाहिए। हरे चारे बिना दूध कोन्या बणता। बाखर का ब्यौंत कोन्या।

- बिरसम खत्म होगी?

- वा तो निमड़े कई दिन होगे, इब तो ज्वार का तकाजा करणा पड़ैगा। कम्पेन तैं कटवाए पाछै भी फरड़े न्यूं के न्यूं खड़े सैं। आंधी तूफान में गेहूं लोटगे थे, वे उठे नहीं। इबकै तो गेहूं में माटी भी मिलकै आई सै। टंकी में गेरण तैं पहल्यां वे साफ करणे पड़ैंगे। खुभात बढ़गी।

- मजदूरां धौरै कटवा लेता। हाथ तैं काट्यां में माटी कोन्या पावै।

- अरै बावले मजदूर कितोड़ तैं आवैं? गाम के मजूदर काम नहीं करते। बाहर के मजदूरां के भाव नहीं मिलते। और महंगे भाव कटवावैंगे तो हामनै के बचैगा?

- रसीले गजब की बात हो री सै। खेत क्यार खातिर के, गाम में कुछ भी काम देखल्यो। कोई मजदूर काम करकै राजी कोन्या। धान लगवाई, पानी पै जाणा हो, नाली खुदाई, ट्रेली भराई, चिनाई या कोई भी काम हो, गाम में कोई मजदूर हां नहीं भरता। मजबूरी में इन बाहर के मजदूरां धौरै जाणा पड़ै सै।

- हां भाई छबीले, मैं एक दिन बाहर के मजूदर तैं बोल्या, अक थाम लोग इस प्रदेश में आकै खुश हो? थामनै आपणे परिवार आळे कोन्या याद आते? थारे प्रदेश में काम कोन्या मिलता?

वे बोले बाबूजी, पहली बात ये कि उनके प्रदेश में काम कम है, मिलता है तो दिहाड़ी दो सौ रुपए है, वह भी समय पर मिले तब। और यहां सुबह से शाम तक के 500-600 रुपए आराम से मिल जाते हैं। वे भी नकद। इसलिए यहां सही है।

- भाई रसीले बेरा ना किसा टैम आग्या। म्हारे गामां के बालक तो काम कै हाथ लाकै राजी कोन्या। बेरा ना तो उननै शर्म आवै सै, अक बेरा ना सबका ब्यौंत ठीक हो लिया?

- ब्यौंत की बात तो पूछै मतन्या। लोगां के सारी जरुरत पूरी होरी सैं और सारे शौंक पूरे हो सैं। हैरानी की बात, सारा दिन या तो ताश खेलैंगे या मोबाइल पै डान्स देखैंगे। रोजगार की बात करैं तो न्यूं कहंगे, बेरोजगारी का डूंडा उठर्‌या सै।

- अरै भाई म्हारे प्रदेश के बालकां कै तो एक नई बिमारी लागरी सै, चालो बिदेश, जाणू उड़ै नोटां की बरसात होवै सै। इस चक्कर में जमीन जायदाद भी बेचण तैं परहेज नहीं कर रे सैं। नहीं तो पहल्यां न्यूं कहा करते अक जमीन और दूध बेचणा, पूत बेचणे के समान होवै सै।

- भाई ये बालक बेरा ना क्यूं कसे की बहकाई में आरे सैं। बिदेश में जावो, उस बात की मनाई ना सै, पर जाओ एक नंबर तैं। दो नंबर तैं जाओगे तो बरबादी के सिवाय और कुछ ना सै। रही बात काम की, तो उड़ै इसा कतई नहीं सै अक ताश खेले तैं या मोबाइल पै टाइम पास करे तैं काम चाल ज्यागा। रोटी और रहण का ठिकाणा जिब मिलैगा, जिब सारे दिन काम करैंगे।

- दूर के ढोल सुहावणे हो सैं। म्हारे प्रदेश में काम का तोड़ा कोन्या, खूब काम सै। खूब आमदनी सै। काम करण की नीयत होणी चाहिए। असल में बिमारी यो सै, अक सरकारां नै सुख सुविधा इतणी दे दी अक गात हराम होगे। काम करण नै जी ए नहीं करता। काम जिब करैं सै जिब कतई सिर पै बाज ले सै।

- भाई रसीले, सरकार नै इतणी स्कीम चला राखी सैं अक कोई भी काम करया जा सकै सै। लोन लेणे की जरुरत हो तै, सरकार उसमें भी मदद करै सै। पर मंशा लोन नै हजम करण की हो तै काम कोन्या चालता। काम तो करणा पड़ैगा। सरकार रोजगार मेले लावै सै। उनमें जाकै कोई भी काम की बात कर सकै सै।

- हां छबीले, पाछले पखवाड़े में सोनीपत में व्यापार मेला लाग्या था। उसमैं बहुत से कारोबारी इसे आए थे, बोले हामनै मेहनत तैं आपणे काम इतणे आगै बढ़ा लिये अक सरकारी नौकरी कान्या लखाणनै जी ना करता। सरकार जितणी तनख्वाह देवैगी उसतैं तो वे ज्यादा कमा लेवैं सैं। इतणा ए नहीं दस और भाण-भाइयां तैं रोजगार दे राख्या सै। कुछ तो न्यू बोले अक अक हामनै आपणा काम शुरू करण में देरी कर दी, पहल्यां कर लेणा चाहिए था।

- हां भाई राज्य सरकार ने भी इस तरियां की कई स्कीम चला राखी सैं जिनतैं आसानी तै आपणा रोजगार शुरू कर्‌या जा सकै सै। बस देर आपणी सोच को ठीक करण की सै। आड़ै ए बिदेश सै भाई, आपणे बालकां नै पाळो और आपणे बुजुर्गां की सेवा करो। खुद भी राजी, घर के भी राजी और जिन और भाइयां नै रोजगार मिला, वे भी राजी।

- ठीक सै रसीले, एकबै खेत में जा आऊं।

-मनोज प्रभाकर

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com